

# Raksha Bandhan - Dhaagon Se Baandhaa Lyrics

## English

Kacche dhaagon ka yeh rishta  
Ban jaata hai bachpan se  
Marte dum tak sath nibhayein  
Bandh ke raksha bandhan se

Dhaagon se bandha  
Ehsaas dil ke rishte ka  
Rishta yeh apna  
Rabb ki rubaayi

Main rahun na main tere bina  
Tu rahe na tu mere bina  
Main rahun na main tere bina  
Tu rahe na tu mere bina

Dhaagon se bandha  
Ehsaas tumse milne ka  
Milna ye apna rab ki rubayi  
Main rahun na main tere bina  
Tu rahe na tu mere bina  
Main rahun na main tere bina  
Tu rahe na tu mere bina

Tumse hi toh khilte sare phool umido wale  
Himmat bandh jati hai  
Jab tu hans ke pass bithale  
Khonsiyon ka tu saman he  
Tu sath hai tu yun lage  
Jeena bada asan hai

Baton se bandha har taar apne riste ka  
Rista ye apna rab ki rubayi

Main rahun na main tere bina

Tu rahe na tu mere bina  
Main rahun na main tere bina  
Tu rahe na tu mere bina

Char dishaon jaisi  
Tum ho mere liye zaroori  
Tum na ho to har din aadha  
Har ik shaam adhoori

Aadha mujhe rehna nahi  
Kuchh kam lage woh ghar mujhe  
Jismein koyi behna nahi

Yaadon se bandha  
Jazba yeh apne rishte ka  
Rishta yeh apna  
Rabb ki rubaayi

Main rahun na main tere bina

Tu rahe na tu mere bina  
Main rahun na main tere bina  
Tu rahe na tu mere bina

## **Hindi**

कच्चे धागे का ये रिश्ता:  
बन जाता है बचपन से  
मरते दम तक साथ निभाएं  
बंधन के रक्षा बंधन से

धागे से बंधन  
एहसास दिल के रिश्ते का  
रिश्ता ये अपना  
रब्ब की रुबाई

मैं रहूं न मैं तेरे बिना

तू रहे ना तू मेरे बिना  
मैं रहूँ न मैं तेरे बिना  
तू रहे ना तू मेरे बिना

धागे से बंधन  
एहसास तुमसे मिलने का  
मिलना ये अपना रब की रुबाई  
मैं रहूँ न मैं तेरे बिना  
तू रहे ना तू मेरे बिना  
मैं रहूँ न मैं तेरे बिना  
तू रहे ना तू मेरे बिना

तुमसे ही तो खिलते सारे फूल उमड़ो वाले  
हिम्मत बंद जाति है  
जब तू हंस के पास बिठाले  
खोंसियों का तू समान है  
तू साथ है तू यूँ लगे  
जीना बड़ा आसन है

बात से बंध हर तार अपने रिस्ते का  
रिस्ता ये अपना रब की रुबाई

मैं रहूँ न मैं तेरे बिना  
तू रहे ना तू मेरे बिना  
मैं रहूँ न मैं तेरे बिना  
तू रहे ना तू मेरे बिना

चार डिशों जैसी  
तुम हो मेरे लिए जरूरी  
तुम ना हो तो हर दिन आधा:  
हरिक शाम अधूरी

आधा मुझे रहना नहीं:  
कुछ कम लगे वो घर मुझे

जिस्में कोई बहना नहीं

यादों से बंधन  
जज़्बा ये अपने रिश्ते का  
रिश्ता ये अपना  
रब्ब की रुबाई

मैं रहूं न मैं तेरे बिना

तू रहे ना तू मेरे बिना  
मैं रहूं न मैं तेरे बिना  
तू रहे ना तू मेरे बिना